सं श्रो वि /एफ बी o / 5 86/13684 — चूंकि हैरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं कि मिनाशा इन्जिनियर्सं प्रलाट नं 199, संकटर 24, फरीदाबाद, के अमिक श्री बन्सू तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीखोगिक विवाद है ;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवनयों का श्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुये श्रिधसूचना सं 11495 जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 हारा उक्त श्राधसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादहस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय ए वं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त ह्वन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादहस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा संवन्धित मामला है :—

नया श्री बन्मु, की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है यदि नहीं तो वह किस राहते का हुकदार है।

सं श्रो वि । एफ ॰ डी ॰ | 237-85 | 13690 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ॰ महाबीर उद्योग, प्लाट नं ॰ 168, सैनटर 24, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री प्रकाश कुल श्रेष्ठ तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई ग्रथितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं 5415-3-24म-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुये अधिसूचना सं 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रीदीन गर्टित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुमंगत या उससे सम्यन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्किट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक को बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है।

वया श्री प्रकाश कुल श्रेष्ठ, पुत्र श्री राम स्थला की सेवा समान्त की गई है या उसने स्वयं त्याग∙पत्र देकर नौकरी छोड़ी है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है? ◆

सं० स्रोकिति श्रम्बाला | 52--86 | 13702 -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० सागर इलैक्ट्रीक्लज कि 7 गोबिन्द नगर, ग्रम्बाला छावनी, केश्रीमक श्री राम चन्द्र तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

इस लिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सर्कारी अधिसूचना सं 3 (44) 84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1985 द्वारा उक्त अधिसूचना की घारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला को विवाद ग्रस्त या उससे सम्वन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिन गय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिश्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या ती विवाद ग्रस्त मामला है या विवाद से मुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :--

क्या श्री राम चन्द्र, पुत्र श्री हरि राम की सेवायों का समापन किया गया है या स्वयं गैर हाजिर होकर नौकरी से पुन्न हण (लियन) खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

> जे विशेष्ट्रतन, द्रय-सचिव, हरियाणा सरकार, अम विभाग ।